RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

INDORE 01 MARCH TO 07 MARCH 2023 प्रति बुधवार वर्ष 08 अंक 24 पृष्ठ 8 कीमत 5 रु.

Inside News

सर्दियों में 'ठंडी' रहने के बाद फरवरी में पेट्रोल-डीजल की बिक्री में जोरदार उछाल Page 2

एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट में मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस Page 3

शक्तिशाली भारत के निर्माण में मध्य प्रदेश की ओर से अभूतपूर्व योगदान देगा यह बजट : शिवराज Page 5

editoria!

सम्मान निधि का वितरण

किसानों के खाते में सीधे नकद देने की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 16,800 करोड़ रुपये की राशि वितरित की है. यह इस योजना की 13वीं किस्त है. इससे लगभग आठ करोड़ किसानों को लाभ पहुंचेगा. इस वितरण में प्रति किसान दो हजार रुपये दिया गया है. उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में किसानों को हर वर्ष छह हजार रुपये प्रति किसान देने का प्रावधान है. इस योजना का प्रारंभ 24 फरवरी 2019 को हुआ था, जब इसके तहत पहली किस्त जारी की गयी थी. इस योजना के तहत योग्य लाभार्थियों को अब तक 2.24 लाख करोड़ रुपये वितरित किये जा चुके हैं. इस योजना का पूरा खर्च केंद्र सरकार वहन करती है, लेकिन लाभार्थी किसानों की पहचान का काम राज्य सरकार के अधीन है. वर्ष 2014 से ही किसानों की आमदनी बढ़ाना मोदी सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में है. यद्यपि हमारे देश के किसानों ने विभिन्न चुनौतियों के बावजूद कृषि उत्पादन को निरंतर बढ़ाया है, पर छोटे किसानों को पैदावार का उचित दाम नहीं मिल पाता है. सूखे, बाद, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाओं की सबसे अधिक मार भी छोटे किसानों पर पड़ती है. कम जोत के कारण वे अनेक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते हैं न्यूनतम समर्थन मूल्य भी उन्हें ठीक से नहीं मिल पाता क्योंकि उन्हें अपनी फसल जल्दी बेचनी पड़ती है. कृषि लागत में भी बढ़ोतरी का दबाव उन पर है. उल्लेखनीय है कि हमारे देश में अधिकतर किसानों के पास थोड़ी जमीन ही है और वे बटाई पर खेती करते हैं. ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के रूप में मिलने वाली राशि उनके लिए बड़ी राहत है. केंद्र सरकार किसानों की मदद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि की है. साथ ही, खाद सब्सिडी को बहुत अधिक बढ़ाया गया है. आगामी वित्त वर्ष के लिए प्रस्तावित बजट में भी खेती को प्राथमिकता दी गयी है. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि हो और अन्य प्रयास, इनका लाभ किसानों को तो होता ही है, साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी पूंजी की उपलब्धता बढ़ती है. अनुदानों से जहां बचत बढ़ती है, वहीं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी नगदी हस्तांतरण योजनाओं से क्रय शक्ति में वृद्धि होती है. मिट्टी की उपजाऊ क्षमता बढ़ाने, मिट्टी एवं फसल के अनुसार खाद देने, अच्छे बीजों का इस्तेमाल बढ़ाने, बैंकों से ऋण मुहैया कराने जैसी योजनाओं ने भी किसानों की बड़ी सहायता की है.

शिवराज सरकार के चौथे कार्यकाल के अंतिम बजट में सभी वर्गों को साधने का प्रयास

भोपाल। आईपीटी नेटवर्क

मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार ने अपने चौथे कार्यकाल के अंतिम बजट में सभी वर्गों को खुश करने की कोशिश की। बुधवार को मध्य प्रदेश विधानसभा में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने 3,14,025 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया। इसमें महिला, किसान, युवा, एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के लिए बजट में विविध प्रविधान बढ़ाकर मिशन 2023 के लक्ष्य को साधने की कोशिश की गई। सोशल इंजीनियरिंग और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के संदेश वाले इस बजट के जरिये सत्ता में वापसी का रोडमैप खींचा गया है।

सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए आठ हजार करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। इसमें 23 से 60 वर्ष की पात्र विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। प्रदेश में दो करोड़ 60 लाख 23 हजार 733 महिला मतदाता हैं। महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के बजट में सर्वाधिक 1,02,976 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। 12वीं कक्षा में पूरे स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को ई-स्कूटी देने का वादा किया गया है। जगदीश देवड़ा ने बजट भाषण की शुरुआत में ही यह साफ कर दिया कि सरकार कोई नया कर नहीं लगाने जा रही है। लाड़ली लक्ष्मी योजना में

44 लाख से अधिक बालिकाएं लाभान्वित हुई हैं। इसका बजट 929 करोड़ रुपये किया गया। सरकार ने मौजूदा बजट में भी हमेशा की तरह किसानों को अपनी प्राथमिकता में रखा है। ऋण माफी के इंतजार में बकायादार हो चुके किसानों को मुख्यधारा में लाने के लिए ब्याज माफी दी जाएगी।

इसके लिए 350 करोड़ रुपये रखे गए हैं। प्रदेश में 2.74 करोड़ से अधिक 39 वर्ष तक के मतदाता हैं। इन्हें ध्यान में रखते हुए बजट में रोजगार के अवसर बढ़ाने, रिक्त पदों पर भर्ती करने, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रीवा में कौशल विकास केंद्र प्रारंभ किए जाने की घोषणा की गई। पहली बार राज्य सरकार बच्चों, महिलाओं, दिव्यांगजनों, निराश्रितों तथा वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए संस्थागत व्यवस्था करने एक हजार करोड़ रुपये के सोशल इम्पेक्ट बांड जारी करेगी। विरासत में मिले सांस्कृतिक केंद्रों के कायाकल्प के लिए भी प्रविधान किए गए हैं। उज्जैन में श्री महाकाल महालोक के लोकार्पण के बाद धार्मिक पर्यटन बढ़ा है। इसी तरह ओंकारेश्वर में एकात्म धाम की स्थापना की जा रही है। सलकनपुर में श्री देवी महालोक, सागर में संत रविदास स्मारक, ओरछा में रामराजा लोक और चित्रकूट में दिव्य वनवासी राम लोक को श्रद्धापूर्ण स्वरूप दिया जाएगा। इसके लिए 358 करोड़ रुपये का प्रविधान रखा है।

MP Budget 2023

नए वित्तीय बजट से बढ़ेगी भोपाल-इंदौर मेट्रो की रफ्तार

भोपाल। आईपीटी नेटवर्क

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए राज्य सरकार ने भोपाल और इंदौर मेट्रो के लिए बजट में 710 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। इससे दोनों परियोजनाओं के निर्माण कार्य में तेजी आएगी। बताया जा रहा है कि अब तक मेट्रो की पहली लाइन के काम अब पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। बता दें कि चुनावी वर्ष होने की वजह से भोपाल और इंदौर में सितंबर 2023 तक मेट्रो का ट्रायल रन शुरु करना है। हालांकि अभी काम काफी पिछड़ा हुआ है। लेकिन दोनों शहरों में निर्धारित समयसीमा में ट्रायन रन शुरु करने के लिए दो शिफ्टों में काम किया जा रहा है।

गौरतलब है कि इंदौर-भोपाल मेट्रो में प्रायोरिटी कारिडोर को विधानसभा चुनाव से पहले तैयार करने की चुनौती है, जिसके चलते बजट में 710 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। इससे पटरी बिछाने के साथ इलेक्टीफिकेशन का काम भी शुरू हो जाएगा। इंदौर में ट्रायल रन के लिए जो साढ़े 5 किलोमीटर का प्रायोरिटी कारिडोर बनाया जा रहा है, उसमें

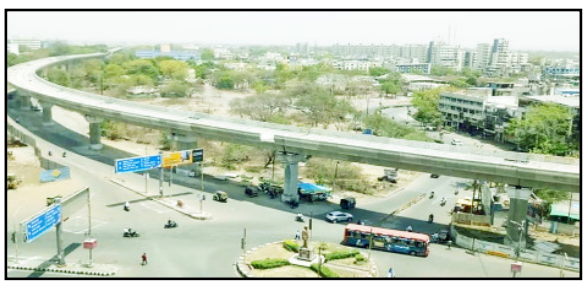

लगभग 5 मेट्रो स्टेशन भी आएंगे। इसी तरह भोपाल मेट्रो के पांच किलोमीटर प्रायोरिटी कारिडोर में भी पांच स्टेशन बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है। लिहाजा इनका भी काम रात-दिन चल रहा है। दोनो स्थानों पर प्रायोरिटी कारिडोर का वायडक्ट बनकर तैयार हो गया है। इसमें पाई गर्डर लगातार डाली जा रही है। क्रेनों के साथ-साथ मजदूरों की संख्या भी बढ़ाई गई है। दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से जिंदल फैक्ट्री में जो पटरियां तैयार हो रही है उन्हें ट्रालों के जरिए इंदौर और भोपाल पहुंचाया जा रहा है।

आठ वर्षों में 30 प्रतिशत बढ़ी लागत

आठ साल पहले 2014 में भोपाल मेट्रो की लागत 6941 करोड़ आंकी गई थी। इन 7 साल में डालर की कीमत बढ़ी है। वहीं, कंस्ट्रक्शन मटेरियल में भी खासी वृद्धि हुई है। जिस तेजी से पेट्रोलियम व अन्य चीजों के दाम बढ़ रहे हैं, ऐसे में प्रोजेक्ट लागत कुल 30 प्रतिशत तक बढ़ने की आशंका है। यानी लगभग 2100 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ यह 9000 करोड़ से अधिक हो जाएगी। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार का बजट और मेट्रो के लोन आदि का गणित बिगड़ना स्वाभाविक है। इसी तरह इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट का शुरुआती बजट 7500 करोड़ रुपये था। जबकि इन आठ वर्षों में इसकी लागत भी 1785 करोड़ रुपये बढ़ गई है।

भारत का GDP ग्रोथ रेट गिरा

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 4.4% रहा

नई दिल्ली। एजेंसी

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर एक बुरी खबर आई है, अक्टूबर-दिसंबर में भारत की जीडीपी विकास दर लगातार दूसरी तिमाही में गिरकर 4.4 प्रतिशत पर आ गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 28 फरवरी को आंकड़े जारी किए। वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही यानी जुलाई-सितंबर तिमाही में देश की आर्थिक विकास दर 6.3 फीसदी पर रही थी। वित्त वर्ष 2023 की अप्रैल-जून तिमाही में देश की जीडीपी अप्रत्याशित तरीके से बढ़ी थी और ये 13.5 फीसदी पर आई थी। एनएसओ ने अपने दूसरे अग्रिम अनुमान में चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इसके अलावा एनएसओ ने बीते वित्त वर्ष 2021-22 की वृद्धि दर को 8.7 प्रतिशत से संशोधित कर 9.1 प्रतिशत कर दिया है।

विनिर्माण क्षेत्र के खराब प्रदर्शन का GDP पर असर

वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही में आर्थिक विकास की दर में गिरावट मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र के खराब प्रदर्शन की वजह से आई है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की समान तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 11.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

RBI के अनुमान के अंदर रही दर

दिसंबर में, भारतीय रिजर्व बैंक ने 2022 की अंतिम तिमाही के लिए 4.4 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। हालांकि, उस समय केंद्रीय बैंक ने इस वर्ष की विकास दर 6.8 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था लेकिन सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जनवरी की शुरुआत में जारी जीडीपी के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार, भारत की जीडीपी 2022-23 में 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने वाली थी। सरकार द्वारा आज 28 फरवरी को जारी दूसरे अग्रिम अनुमान में इस वर्ष के लिए भारत के पूरे वर्ष के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने के अनुमान को बरकरार रखा गया है।

लगातार दूसरे दिन कच्चे तेल की कीमतों में दिखा उछाल

1 हफ्ते में ब्रेंट 4% चढ़ा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

लगातार दूसरे दिन कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। कल से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 2.5 फीसदी चढ़ी है। आज ब्रेंट 84 डॉलर के करीब कारोबार कर रहा है। ब्रेंट कल $83.98 की ऊंचाई पर था। वहीं WTI में 77 डॉलर के पार आज कारोबार हो रहा है। कल WTI $77.82 की ऊंचाई पर था लगातार दूसरे दिन कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। कल से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 2.5 फीसदी चढ़ी है। आज ब्रेंट 84 डॉलर के करीब कारोबार कर रहा है। ब्रेंट कल $83.98 की ऊंचाई पर था। वहीं WTI में 77 डॉलर के पार आज कारोबार हो रहा है। कल WTI $77.82 की ऊंचाई पर था। शर्ें पर कच्चा तेल आज 6400 के ऊपर नजर आ रहा है। बता दें कि चीन के मजबूत मैन्युफैक्चरिंग डेटा से कच्चे तेल के भाव में तेजी आई है। फरवरी में चीन का मैन्युफैक्चरिंग PMI 52.6 पर रहा है जो कि 11 साल के ऊपर है। इस बीच चीन में फिर से क्रूड की रिफाइनरीज चालू हुई है। जिसका असर भी कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ा है। वहीं रूस वेस्टर्न पोर्ट से क्रूड एक्सपोर्ट को कम करेगा। EIA का कहना है कि दिसंबर में ळए प्रोडक्शन 2.76 लाख BPD घटा है। ओपेक के कोटा बाउंड मेंबर्स ने उत्पादन लक्ष्य घटाया है। कोटा बाउंड मेंबर्स का फरवरी लक्ष्य 8.80 लाख BPD है। कोटा बाउंड मेंबर्स का जनवरी लक्ष्य 9.20 लाख BPD था। क्रूड की चाल की बात करें तो 1 हफ्ते में ब्रेंट क्रूड 4 फीसदी चढ़ा है जबकि 1 महीने में इसमें 2 फीसदी की बढ़त देखने को मिली है।

ई-बिल प्रणाली 350 पीएओ ने अपनाई, साल भर में 200 और जुड़ेंगे: वित्त सचिव

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार के करीब 350 मंत्रालयों और विभागों के वेतन एवं लेखा कार्यालयों (पीएओ) ने इलेक्ट्रॉनिक बिल (ई-बिल) प्रसंस्करण प्रणाली को अपना लिया है। अगले एक साल में करीब 200 अन्य मंत्रालयों एवं विभागों के भी यह प्रणाली अपना लेने की उम्मीद है। वित्त सचिव टीवी सोमनाथन ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने 47वें सिविल लेखा दिवस पर बिना किसी विलंब के बिलों के समाशोधन के महत्व को रेखांकित किया। सोमनाथन ने कहा, ''ई-बिल मॉड्यूल में इसे और आगे ले जाने की क्षमता है। 350 पीएओ अब ई-बिल मंच पर मौजूद हैं और हमें अब बाकी सबको भी जल्द और निश्चित रूप से अगले सिविल लेखा दिवस से पहले इस मंच पर लाना है।'' ई-बिल प्रसंस्करण प्रणाली को पिछले साल दो मार्च को पेश किया गया था। इसे सभी केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में लागू किया जा रहा है। इसके जरिये सभी आपूर्तिकर्ता और ठेकेदार अपने दावे को ऑनलाइन दाखिल कर सकेंगे। तत्काल आधार पर उन दावों की निगरानी भी की जा सकेगी। अधिकारियों ने बताया कि अगले एक साल में करीब 200 और पीएओ ई-बिल मंच का हिस्सा बन जाएंगे।

मौद्रिक नीति संबंधी अहम जानकारी जुटाने को रिजर्व बैंक ने दो सर्वे शुरू किए

नई दिल्ली। एजेंसी

मुंबई, एक मार्च (भाषा) भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को दो महत्वपूर्ण सर्वे शुरू किए हैं। इन सर्वेक्षणों से केंद्रीय बैंक को द्विमासिक मौद्रिक नीति बनाने के लिए 'उपयोगी जानकारी' मिल सकेगी। इनमें से एक सर्वे मुद्रास्फीति को लेकर परिवारों की अपेक्षाओं का पता लगाएगा। वहीं, दूसरा सर्वे उपभोक्ताओं के भरोसे का आकलन करेगा। रिजर्व बैंक ने कहा कि मुद्रास्फीति को लेकर परिवारों की अपेक्षाओं संबंधी मार्च, 2023 के सर्वे का मकसद कीमतों के उतार-चढ़ाव और महंगाई के बारे में 'आकलन' करना हे। यह सर्वे 19 शहरों में किया जाएगा। इनमें अहमदाबाद, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, पटना, रायपुर, रांची और तिरुवनंतपुरम शामिल हैं। उपभोक्ता विश्वास सर्वे भी देश के 19 शहरों में किया जाएगा। रिजर्व बैंक ने कहा कि इन सर्वे के नतीजों से उसे ऐसा महत्वपूर्ण ब्योरा मिल सकेगा जिससे मौद्रिक नीति बनाने में मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक छह से आठ अप्रैल को होगी।

सर्दियों में 'ठंडी' रहने के बाद फरवरी में पेट्रोल-डीजल की बिक्री में जोरदार उछाल

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में ईंधन की मांग में फरवरी में काफी तेज उछाल देखने को मिला है। सर्दियों में 'ठंडी' रहने के बाद बीते माह पेट्रोल और डीजल की खपत में बढ़ोतरी दो अंक में रही है। उद्योग के बुधवार को जारी शुरुआती आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की पेट्रोल की बिक्री फरवरी में 12 प्रतिशत बढ़कर 25.7 लाख टन हो गई। इससे पिछले साल के समान महीने में यह 22.9 लाख टन रही थी।

कोविड से प्रभावित 2021 के समान महीने की तुलना में पेट्रोल की बिक्री 1.57 प्रतिशत अधिक रही है। वहीं फरवरी, 2020 की तुलना में इसमें 20 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। माह-दर-माह आधार पर पेट्रोल की मांग 13.5 प्रतिशत बढ़ी है। इससे पिछले महीने पेट्रोल की मांग 5.1 प्रतिशत घटी थी। सबसे अधिक खपत वाले ईंधन डीजल की बिक्री फरवरी में 13 प्रतिशत बढ़कर 65.2 लाख टन पर पहुंच गई। फरवरी, 2021 की तुलना में डीजल की बिक्री 12.1 प्रतिशत तथा 2020 के समान महीने की तुलना में 7.7 प्रतिशत बढ़ी है।

मासिक आधार पर बात की जाए, तो जनवरी में डीजल की बिक्री 59.7 लाख टन रही थी। इस तरह मासिक आधार पर डीजल की मांग में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जनवरी में बर्फबारी की वजह से पहाड़ी इलाकों में ट्रकों की आवाजाही प्रभावित हुई थी। इसके चलते मासिक आधार पर जनवरी में डीजल की बिक्री इससे पिछले महीने की तुलना में 8.6 प्रतिशत घटी थी। उद्योग सूत्रों का कहना है कि ट्रकों के फिर सड़क पर लौटने और रबी बुवाई सत्र के रफ्तार पकड़ने के साथ डीजल की मांग में उछाल आया है। दिसंबर की तुलना में जनवरी में डीजल की बिक्री घटने की एक और वजह थी। दिसंबर में लोगों ने छुट्टियां मनाने के लिए यात्रा की थी, जिससे डीजल की मांग ऊंची रही थी। इसके साथ ही फरवरी में वाहन ईंधन एटीएफ की मांग सालाना आधार पर 41.3 प्रतिशत बढ़कर 5,74,200 टन पर पहुंच गई। हालांकि, फरवरी, 2020 की तुलना में एटीएफ की बिक्री कम रही है। माह-दर-माह आधार पर एटीएफ की बिक्री 3.3 प्रतिशत बढ़ी है। सूत्रों ने कहा कि घरेलू हवाई यात्रा कोविड-पूर्व के स्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, कुछ देशों में अंकुशों की वजह से अभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें पीछे हैं। फरवरी, 2023 में सालाना आधार पर रसोई गैस (एलपीजी) की बिक्री 2.43 प्रतिशत बढ़कर 25.3 लाख टन पर पहुंच गई। फरवरी, 2021 की तुलना में एलपीजी की खपत 12 प्रतिशत और फरवरी, 2020 की तुलना में 22.2 प्रतिशत अधिक रही। मासिक आधार पर एलपीजी की मांग 6.14 प्रतिशत बढ़ी है। जनवरी में एलपीजी की खपत 23.8 लाख टन रही थी।

'इंडियन प्लास्ट टाइम्स' के स्वामित्व एवं अन्य विवरण के संबंध में

घोषणा पत्र

फार्म-4 (नियम 8 देखिए)

1. प्रकाशक का स्थान	:	इंदौर
2. प्रकाशन अवधि	:	साप्ताहिक
3. मुद्रक का नाम	:	सचिन बंसल
(क्या आप भारत के नागरिक हैं)	:	हां
(यदि विदेशी हैं तो मूल देश)	:	-
पता	:	18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर (म.प्र.)
4. प्रकाशक का नाम	:	सचिन बंसल
(क्या आप भारत के नागरिक हैं)	:	हां
(यदि विदेशी हैं तो मूल देश)	:	-
पता	:	18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर (म.प्र.)
5. प्रधान संपादक का नाम	:	सचिन बंसल
(क्या आप भारत के नागरिक हैं)	:	हां
(यदि विदेशी हैं तो मूल देश)	:	-
पता	:	18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर (म.प्र.)
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझीदार हों :	:	नहीं

मैं **सचिन बंसल** एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 01 मार्च 2023

हस्ताक्षर
सचिन बंसल
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट में मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

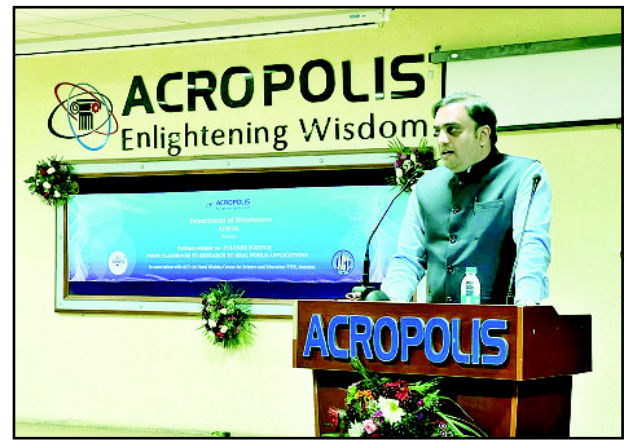

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर पालीमर साइंस फ्राम क्लासरूम टू रिसर्च टू रियल वर्ल्ड एप्लीकेशंस थीम पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें बिट्स पिलानी हैदराबाद के प्रो. एन राजेश मुख्य अतिथि थे। आइपीपीएफ के प्रेसिडेंट सचिन बंसल, आइआइएएसईआर भोपाल के डा. आशीष श्रीवास्तव, आइआइटी इंदौर के डा. सुनील कुमार बोड़ा, एक्रोपोलिस संस्थान के ग्रुप निदेशक डा. जयंतीलाल भंडारी, प्रिंसिपल डा. अशोक झंवर, डा. प्रणोति बेलापुरकर और अन्य सदस्य कार्यक्रम में मौजूद थे। प्रो. एन राजेश ने कस्टमाइज्ड पालिमेरिक मटेरियल फार इन्वायर्नमेंट रेमिडिएशन विषय की जानकारी दी। इंडियन प्लास्ट पैक फोरम के अध्यक्ष श्री सचिन बंसल ने पॉलिमर साइंस में उपयोग किए जा रहे नए एप्लीकेशन उनके उपयोग और भविष्ट की संभावनाओ पर चर्चा करते हुए कई महतत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होनें छात्रों द्वारा लगाई गई। साइंस एग्जीबिशन का शुभारंभ भी किया। आयोजन में डा. आशीष श्रीवास्तव ने भी जानकारियां दी। कार्यक्रम में कई कालेजों के विद्यार्थी और प्रोफेसर शामिल हुए। एक्जीबिशन में निर्णायक डा. नितिन सप्रे ने कालेज की पलक व्यास और जानवी जैन को प्रथम स्थान पर आने के लिए सम्मानित किया। संचालन प्रो. पुष्पांजलि शर्मा ने किया। आभार प्रदर्शन प्रो. रति टी ने माना।

फरवरी में जीएसटी कलेक्शन 1.49 लाख करोड़ रुपए रहा, सालाना आधार पर 12% की बढ़त

नई दिल्ली। एजेंसी

पिछले महीने के मुकाबले सरकार का जीएसटी कलेक्शन 8 हजार करोड़ रुपए कम हुआ है जबकि पिछले साल फरवरी के मुकाबले 12 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। आंकड़ों पर नजर डालें तो जीएसटी कलेक्शन फरवरी में 12 फीसदी बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार फरवरी 2023 में उएऊ के लागू होने के बाद से 11,931 करोड़ रुपए का उच्चतम सरचार्ज कलेक्शन देखा गया, वैसे जीएसटी कलेक्शन जनवरी में 1.57 लाख करोड़ रुपए से अधिक था जो हिस्ट्री में दूसरा सबसे बड़ा कलेक्शन था। अप्रैल 2022 में जीएसटी कलेक्शन 1.68 लाख करोड़ रुपए था जो रिकॉर्ड है।

वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि फरवरी, 2023 में कुल जीएसटी संग्रह 1,49,577 करोड़ रुपए रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 27,662 करोड़ रुपए है जबकि राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) संग्रह 34,915 करोड़ रुपए है। वहीं एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) के मद में 75,069 करोड़ रुपए इकट्ठा हुए हैं। इसके अलावा 11,931 करोड़ रुपए का उपकर भी शामिल है। फरवरी 2023 के महीने का राजस्व फरवरी 2022 में जीएसटी राजस्व से 12 प्रतिशत अधिक है, जो कि 1.33 लाख करोड़ रुपए था। मंत्रालय ने कहा कि आम तौर पर फरवरी, 28 दिन का महीना होने के कारण राजस्व का संग्रह अपेक्षाकृत कम होता है।

रुपया आठ पैसे की बढ़त के साथ 82.50 प्रति डॉलर पर

मुंबई। एजेंसी

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे की तेजी के साथ 82.50 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने से निवेशकों की धारणा में सुधार हुआ।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.48 पर खुला। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव की तुलना में आठ पैसे की तेजी के साथ 82.50 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपये में 82.36 के उच्चस्तर और 82.61 के निचले स्तर को छुआ। इससे पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 82.58 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.39 प्रतिशत घटकर 104.45 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.41 प्रतिशत घटकर 83.11 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 448.96 अंक या 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59,411.08 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 146.95 अंक या 0.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,450.90 अंक पर था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने मंगलवार को शुद्ध रूप से 4,559.21 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वृहद आर्थिक मोर्चे पर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर घटकर 4.4 प्रतिशत रह गई है। मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र के कमजोर प्रदर्शन से वृद्धि दर घटी है।

मध्यप्रदेश बजट 2023

हवाई जहाज से तीर्थ दर्शन कराएगी सरकार

• भोपाल । विशेष प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश विधानसभा में आज प्रदेश का वर्ष 2023-24 का बजट पेश किया गया। चुनावी साल में मौजूदा शिवराज सरकार का ये आखिरी बजट है। बजट में चुनाव का असर साफ दिखा। जनता पर कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है। लोक लुभावन वादे और घोषणाएं की गयीं। आधी आबादी महिलाओं से लेकर हर वर्ग को लुभाने की कोशिश इस बजट में है। सरकारी नौकरी में 1 लाख पदों पर भर्ती की जाएगी।

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने विपक्ष के हंगामे और भारी टोकाटोकी के बीच बजट पेश किया। इसमें हर वर्ग के लिए सरकार ने पिटारा खोला। चुनावी साल में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का और विस्तार कर दिया गया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट में ऐलान किया कि अब सरकार इस योजना के तहत तीर्थयात्रियों को हवाई जहाज से तीर्थ दर्शन कराएगी। इसके लिए अलग से बजट का प्रावधान किया गया है।

९०० किमी लंबा बनेगा नर्मदा प्रगति पथ

इसी के साथ बजट में नर्मदा प्रगति पथ निर्माण के लिए भी प्रावधान किया गया. प्रदेश में कुल 900 किमी लंबा नर्मदा प्रगति पथ बनाया जाएगा. सलकनपुर के प्रसिद्ध देवी मंदिर में श्री देवी महालोक बनाया जाएगा. वित्त मंत्री ने बताया कि एमपी की विकास दर 26.43% है. प्रदेश में 900 किमी का नर्मदा प्रगति पथ बनेगा. मातृत्व वंदना योजना के लिए 467 करोड़ रुपये का बजट रखा जाएगा. सरकार ने बताया कि उसने प्रदेश की 3124 किमी की सड़कों को सुधारा. मोटे अनाज के लिए 1000 करोड़ रुपये का बजट रखा. 11हजार एकड़ मे सुगंधित खेती को बढ़ावा देगी सरकार. घुमंतू जातियों के रोजगार के लिए 252करोड़ रुपये का प्रावधान बजट में किया गया है.

खेल विभाग का बजट बढ़कर ७३८ करोड़ रुपये, कोई नया टैक्स नहीं

सरकार ने खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए खेल विभाग का बजट बढ़ाकर 738 करोड़ रुपये कर दिया है। इसी के साथ प्रदेश में चालू वित्तीय वर्ष में 1 लाख सरकारी नौकरियों का ऐलान भी किया गया। सीएम राइज स्कूल के लिए सरकार ने 3230 करोड़ का बजट रखा गया है।

सीएम बालिका स्कूटी योजना का ऐलान बजट में किया गया। फर्स्ट आने वाली स्कूली छात्रा को स्कूटी मिलेगी। स्कूलों में खाली पदों पर भर्ती की जाएगी और नारी कल्याण के लिए 1 लाख 2976 करोड़ रुपये का बजट रहेगा। सीएम कौशल योजना के लिए 1000 करोड़ का प्रावधान किया गया। आहार अनुदान के लिए 300 करोड़ का बजट। लाडली लक्ष्मी योजना के लिए 929 करोड़ का बजट, महिला स्व-सहायता के लिए 600 करोड़ का बजट।

बजट की १० खास बात

1. 1 लाख सरकारी नौकरियों का ऐलान। स्कूलों में खाली पदों पर भर्ती होगी।
2. नए टैक्स का प्रस्ताव नहीं, यानी कि टैक्स भार से लोगों को राहत देने की कोशिश की गई है।
3. सीएम बालिका स्कूटी योजना का ऐलान। परीक्षा में प्रथम आने वाली स्कूली छात्राओं को सरकार की तरफ से स्कूटी दी जाएगी।
4. सीएम राइज स्कूल के लिए 3230 करोड़ रुपये का प्रावधान।
5. नारी कल्याण के लिए 1 लाख 2976 करोड़ रुपये आवंटित। महिला स्व-सहायता के लिए 600 करोड़ रुपए का बजट, लाडली लक्ष्मी योजना के लिए 929 करोड़ रुपये का बजट।
6. लाडली बहना योजना के लिए 7000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। आहार अनुदान के लिए 300 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है।
7. सिंचाई परियोजना के लिए 11 हजार 50 करोड़ रुपये का बजट, किसानों को हर साल 10,000 की आर्थिक सहायता, डिफॉल्टर किसानों का कर्ज भरेगी सरकार।
8. सीएम कौशल योजना के लिए 1000 करोड़ रुपये का बजट वित्त मंत्री ने रखा है। मोटे अनाज के लिए 1000 करोड़ रुपये का बजट। 11 हजार एकड़ मे सुगंधित खेती को बढ़ावा देगी सरकार।
9. खेल और खिलाड़ियों के विकास पर फोकस, बजट बढ़ाकर 738 करोड़ रुपए करने का ऐलान किया गया।
10. मातृत्व वंदना योजना के लिए 467 करोड़ रुपये का बजट। घुमंतू जातियों के रोजगार के लिए 252करोड़ का बजट।

मप्र में बढ़ेंगी एमबीबीएस और नर्सिंग की सीटें

200 नए हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बनेंगे

भोपाल। आईपीटी नेटवर्क

मध्यप्रदेश सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। मेडिकल की सीटें बढ़ाने के साथ ही 200 नए हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर खोले जाएंगे। वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को विधानसभा में बजट 2023-24 पेश करते हुए कहा कि प्रदेश में जल्द ही 25 मेडिकल कॉलेज सक्रिय हो जाएंगे। इससे जिलों में डॉक्टरों की कमी को दूर किया जा सकेगा। इससे प्रदेश में एमबीबीएस और नर्सिंग की सीटें भी बढ़ेंगी। देवड़ा ने कहा कि प्रस्तावित मेडिकल कॉलेजों के शुरू होने से वर्तमान में 2,055 एमबीबीएस सीटें हैं, जो बढ़कर 3,605 हो जाएंगी। इसी तरह पीजी कोर्स की सीटें भी 649 से बढ़कर 915 हो जाएंगी। केंद्र सरकार की नर्सिंग कॉलेज योजना से प्रदेश में 810 बीएससी नर्सिंग और 300 पोस्ट बेसिक नर्सिंग की अतिरिक्त सीटों का लाभ मिलेगा। देवड़ा ने यह भी कहा कि वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के रूप में आयुष चिकित्सा पद्धति को प्रोत्साहित कर ग्रामीण स्तर पर भी सुलभ कराने के लिए काम किया जा रहा है। इस दिशा में 362 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शुरू किए जा चुके हैं। जल्द ही 200 और सेंटर खोले जाएंगे। स्वशासी आयुर्वेद कॉलेज में 50 बिस्तरों का अति-विशिष्ट पंचकर्म और सुखायु केंद्र शुरू किया गया है।

■बजट में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी

■स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 16 हजार 55 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो 2022-23 में किए गए प्रावधान से 17 प्रतिशत अधिक है।

■स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर को सुधारने पर है शिवराज का पूरा जोर

■बजट में स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लंबे-चौड़े प्रावधान किए गए हैं। सबसे महत्वपूर्ण है सीएम राइज स्कूलों के लिए 3,230 करोड़ रुपये का प्रावधान। इसके जरिये उच्च गुणवत्ता और संसाधनों से संपन्न सरकारी स्कूलों की स्थापना की जा रही है। राज्य सरकार ने तय किया है कि करीब पांच हजार स्कूलों में टॉप करने वाली प्रत्येक छात्रा को स्कूटी दी जाएगी।

■3,230 करोड़ रुपये सीएम राइज स्कूलों के लिए

■277 करोड़ रुपये पीएम श्री योजना के जरिये मौजूदा स्कूलों को आदर्श बनाने के लिए

■400 करोड़ रुपये प्रदेश में 25 मेडिकल कॉलेज विकसित करने के लिए

■734 करोड़ रुपये प्रदेश में स्किल डेवलपमेंट करने तकनीकी कॉलेज बनाने के लिए

■687 करोड़ रुपये कॉलेजों को विकसित करने के लिए

■25 करोड़ रुपये नए नर्सिंग कॉलेज बनाने के लिए

महिलाओं को शिवराज 'मामा' का साथ

1.02 लाख करोड़ रुपये की योजनाएं घोषित

भोपाल। आईपीटी नेटवर्क

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस बार के बजट में पूरा जोर महिलाओं पर दिया है। लाड़ली लक्ष्मी योजना के बाद लाड़ली बहना योजना की घोषणा की है। इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा एक बड़ी घोषणा के तौर पर प्रदेश के करीब पांच हजार स्कूलों में 12वीं की परीक्षा में टॉप करने वाली छात्राओं को ई-स्कूटी दी जाएगी। नारी शक्ति के लिए 1.02 लाख करोड़ रुपये के प्रावधान किए गए हैं। वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट भाषण के दौरान कहा कि नारी के सशक्त होने पर परिवार सशक्त होता है। परिवार के सशक्त होने पर प्रदेश सशक्त होता है और प्रदेश के सशक्त होने पर राष्ट्र सशक्त होता है। हमारी सरकार की मंशा है कि नारी परिवार में नेतृत्व और निर्णय लेने की भूमिका में आए। इसके साथ वह स्वयं की रोजमर्रा की जरूरतों के लिए आर्थिक रूप से अन्य किसी पर आश्रित न रहे। कन्या रत्न की पहली किलकारी से लेकर उसके संपूर्ण जीवनकाल में हमारी सरकार, उसके साथ है।

उपलब्धिः सरकार का दावा है कि इन योजनाओं का ही परिणाम है कि 2015-16 की तुलना में वर्ष 2020-21 में जन्म के समय लिंगानुपात 927 से बढ़कर 956 हो चुका है। लाड़ली लक्ष्मी योजना में अब तक 44 लाख 39 हजार से अधिक बालिकाएं लाभान्वित हुई हैं।

नारी शक्ति की उड़ान के लिए यह हैं प्रावधान

■929 करोड़ रुपये लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए।

■8,000 करोड़ रुपये लाड़ली बहना योजना के लिए।

■1,535 करोड़ रुपये वृद्ध एवं असहाय महिलाओं को 600 रुपये प्रतिमाह भुगतान के लिए

■80 करोड़ रुपये कन्या विवाह एवं निकाह योजना के लिए। आर्थिक कमजोर बेटियों के विवाह के लिए 55 हजार रुपये की सहायता दी जाती है।

■1,000 करोड़ रुपये महिलाओं को स्वयं का कारोबार शुरू करने के लिए।

■400 करोड़ रुपये प्रसूति सहायता योजना के लिए।

■83 करोड़ रुपये बेटियों को स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति (गांव की बेटी योजना, प्रतिभा किरण योजना)

■660 करोड़ रुपये राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं महिलाओं को अनुदान के अतिरिक्त ब्याज भुगतान के लिए

देश के नागरिकों का आधार कार्ड होगा और सुरक्षित UIDAI ने AI के साथ नई तकनीकी विकसित की

नई दिल्ली। एजेंसी

नागरिकों के आधार कार्ड के फर्जी उपयोग होने से रोकने के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए UIDAI ने आधार फिंगरप्रिंट ऑथेंटिकेशन तकनीक को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग के साथ अपग्रेड किया है। दरअसल भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने बताया है कि आधार फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण और स्पूफिंग प्रयासों का तेजी से पता लगाने के लिए AI और मशीन लर्निंग आधारित नया सुरक्षा तंत्र विकसित किया गया है। हालांकि दो स्तरीय सत्यापन से आधार के दुरुपयोग की संभावना कम हो जाएगी। आइए जानते हैं कि कैसे आधार कार्ड और मजबूत और सुरक्षित हो रहा है...

UIDAI के नई तकनीकी का उद्देश्य

आधार कार्ड सत्यापित करने की नई तकनीकी का मुख्य उद्देश्य दोहरी एवं फर्जी पहचान को समाप्त करना है। साथ ही इससे आधार कार्ड को आसानी एवं किफायती लागत में सत्यापित और प्रमाणित किया जाएगा। फिलहाल आधार कार्ड फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण के लिए यह नया सुरक्षा तंत्र या तकनीकी अब पूरी तरह कार्यात्मक हो गई है। हालांकि इस नई तकनीकी से आधार कार्ड का सत्यापन, AI और मशीन लर्निंग आधारित सुरक्षा तंत्र कैप्चर किए गए फिंगर प्रिंट की सजीवता की जांच करने के लिए फिंगर मिन्यूशिया और फिंगर इमेज दोनों के संयोजन का उपयोग किया जा रहा है।

आधार कार्ड होगा अब और सुरक्षित

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा उठाया गया यह कदम आधार प्रमाणीकरण लेनदेन को मजबूत और अधिक सुरक्षित बना रहा है। इससे आपके आधार कार्ड का कोई दुरुपयोग नही कर सकता है। क्योंकि अब AI द्वारा फिंगरप्रिंट की सत्यता की जांच के लिए अंगुली की प्रकृति और अंगुली की गहरी व हल्की रेखाओं दोनों के संयोजन का उपयोग किया जाएगा। इस नई तकनीकी से जैसे ही कोई फर्जी किसी के आधार का उपयोग करेगा तो इसका तुरंत पता चल जाएगा। इसकी खासियत है कि अब देश के नागरिकों को आधार कार्ड यानि पहचान पत्र अधिक सुरक्षित हो रहा है।

आधार से वित्तीय लेनदेन होगा मजबूत

दरअसल देश में आधार आधारित प्रमाणीकरण लेन-देन को अपनाने में वृद्धि देखी जा रही है। वहीं UIDAI ने बताया है कि देश में दिसंबर 2022 तक आधार प्रमाणीकरण लेनदेन की संचयी संख्या 88.29 बिलियन पार कर गई है। इससे पता चलता है कि आधार से औसतन प्रति दिन 70 मिलियन का लेनदेन हो रहा था। इसलिए आधार कार्ड के जरिए नई तकनीकी के फिंगरप्रिंट-आधारित प्रमाणीकरण से वित्तीय लेनदेन और अधिक मजबूत होगा। इससे आधार का उपयोग करने से वित्तीय लेनदेन, दूरसंचार और सरकारी क्षेत्रों में नागरिकों का विश्वास बढ़ेगा और फर्जी आधार के दुरुपयोग में रोक लगेगी।

जानिए UIDAI के बारे में

यूआईडीएआई की स्थापना भारत के सभी निवासियों को 'आधार' नामक विशिष्ट पहचान संख्या जारी करने के उद्देश्य से की गई थी। ताकि यूआईडी द्वारा दोहरी एवं फर्जी पहचान को समाप्त किया जा सके। वहीं 31 मार्च,2021 तक, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा भारत के निवासियों को कुल 128.99 करोड़ आधार नंबर जारी किए जा चुके हैं। UIDAI एक सांविधिक प्राधिकरण है। इसकी स्थापना आधार अधिनियम, 2016 के उपबंधों के अंतर्गत, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत दिनांक 12 जुलाई, 2016 को भारत सरकार द्वारा की गई थी।

शक्तिशाली भारत के निर्माण में मध्य प्रदेश की ओर से अभूतपूर्व योगदान देगा यह बजट : शिवराज

भोपाल। आईपीटी नेटवर्क

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ये बजट समाज के हर वर्ग के कल्याण वाला है और शक्तिशाली भारत के निर्माण में मध्य प्रदेश की ओर से अभूतपूर्व योगदान देगा। बजट में सिंचाई हो या सड़कें, हर गरीब को छत मुहैया कराने का संकल्प हो या बिजली की बुनियादी सुविधा पूरी करना, सभी चीजों के लिए प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि बजट में एक अभिनव पहल करते हुए सोशल इंपेक्ट बांड लाने का प्रविधान किया गया है। इसके तहत विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों के लिए सामाजिक महत्व के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ काम करने हेतु एक हजार करोड़ के बांड जारी किए जाएंगे।

सीएम ने कहा कि इसमें बुनियादी सुविधाओं के साथ जनकल्याण और जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाने के पहलू पर भी ध्यान

दिया गया है। इसी हेतु से सागर में संत रविदास स्मारक, ओरछा में रामराजा लोक और सलकनपुर में देवी महालोक जैसी योजनाओं के लिए 358 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि कुल मिला कर समाज के हर वर्ग के कल्याण को ध्यान में रखने वाला ये बजट है। ये बजट प्रधानमंत्री के सपनों के अनुरूप शक्तिशाली भारत के निर्माण में प्रदेश की ओर से अभूतपूर्व योगदान देगा। प्रधानमंत्री का संकल्प है देश को पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने का, उसके तहत मध्य प्रदेश को 550 बिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में ये अहम कदम है।

कांग्रेस द्वारा लाड़ली बहना को 1500 रुपए दिए जाने पर शिवराज ने कहा कि कांग्रेस और कमल नाथ जी झूठ बोलते हैं। इन्हें थोड़ी शर्म तो आना चाहिए। यह वही कांग्रेस है जिसने 2017 में भी विशेष पिछड़ी जनजातियों को मिलने वाली राशि का भुगतान बंद कर दिया था। उनके पैसे खा गए। इसी तरह मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, संबल योजना और तीर्थ दर्शन योजना भी बंद कर दी। पुरानी योजनाएं बंद करने वाले और बेरोजगारी भत्ता देने की बात कहकर उससे मुकरने वाले झूठ की दुकान हैं।

चौहान ने कहाकि कांग्रेस की स्थिति खिसियानी बिल्ली खंबा नौचे जैसी है। उनके पास कुछ था नहीं। वित्त मंत्री जी का भाषण हो गया। सारी चीजें जनता के पास बहुत प्रभावी ढंग से जाएंगी। इसलिए अराजकता मचाओ, चिल्लाओ हंगामा करो। इन्होंने लोकतंत्र की मर्यादाओं को तार तार किया है।

मध्यप्रदेश के विकास का आधार बनेगा बजट

उद्योग जगत द्वारा बजट का स्वागत

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में वित्तमंत्री श्री जगदीश देवडा द्वारा प्रस्तुत मध्यप्रदेश सरकार के इस कार्यकाल के अंतिम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री योगेश मेहता ने इस बजट को सभी वर्ग के लिए विकासोन्मुखी बजट निरूपित किया है। आपने कहा है कि बजट में कोई नया कर प्रस्ताव नही किया जाना स्वागत योग्य कदम है। इसके साथ ही उद्योगों में निवेश को बढ़ावा देना एवं 7 हजार 500 एकड जमीन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए उपलब्ध किये जाने की घोषणा प्रदेश सरकार का दूरगामी कदम है।

योगेश मेहता
अध्यक्ष

बजट में महिलाओं के आर्थिक उन्नयन, कृषि, सिंचाई, उर्जा, सोलर सीटी विकास, शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर बजट में पुरा ध्यान रखा गया है जो स्वागतयोग्य है। 14 नये औद्योगिक क्षेत्रों की रचना, 16 पुराने औद्योगिक क्षेत्रों का विस्तार व आधुनिकीकरण, 1400 हेक्टेयर पर पीथमपुर में लाजिस्टीक पार्क, 300 एकड पर उज्जैन में मेडिकल पार्क, 900 किमी नर्मदा प्रगति पथ परियोजना बहुत ही कारगर होगी जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र एवं औद्योगिकरण को बढावा मिलेगा। श्री योगेश मेहता ने मुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिवराज सरकार का 2023 का यह आदर्श बजट उन्नत, आत्मनिर्भर, विकसीत एवं समृध्दशाली बजट है जो मध्यप्रदेश के विकास का आधार बनेगा और हर वर्ग के लिए हितैषी होगा इससे रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

एसोसिएशन के मानद सचिव श्री तरूण व्यास, कोषाध्यक्ष श्री अनिल पालीवाल, पूर्व अध्यक्ष श्री प्रमोद डफरिया, कार्यकारिणी सदस्य श्री मनीष चौधरी, श्री कुलवंतसिंह गांधी आदि ने बजट को स्वागतयोग्य एवं सकारात्मक बताते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण, आर्टिफिशीयल इंटेलिजेंस, पेपर लेस प्रक्रिया, इंदौर भोपाल मेट्रो विकास, इंदौर पीथमपुर औद्योगिक कॉरिडोर, अधोसरंचना विकास के लिए की गई बजट घोषणाए व प्रावधान प्रदेश के लिए नई आशा, नये विश्वास को जन्म देगा और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के सपने को साकार करने के लिए यह बजट बहुत ही सारगर्भित होगा।

भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ ने लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी का आभार प्रकट किया- श्री खंडेलवाल

इंदौर । आईपीटी नेटवर्क

भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के नगर संयोजक श्री धीरज खंडेलवाल व संतोष वाधवानी ने मुख्यमंत्री द्वारा लाडली बहना योजना के लिए आभार प्रकट किया श्री खंडेलवाल ने यह भी कहा कि यह योजना महिलाओं के लिए सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा करेगी मातृशक्ति इस योजना से आर्थिक तौर पर सक्षम होंगी। प्रकोष्ठ के संयोजक श्री धीरज खंडेलवाल ने लाडली बहना योजना के लिए श्री मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का साधुवाद व्यक्त किया।

होली से पहले घर से हटा दें ये चीजें, जीवन से दूर होगी नकारात्मकता

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

होली का पर्व देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन हर कोई एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। शास्त्रों के अनुसार, होली के दिन देवी देवताओं की पूजा करने के साथ गुलाल लगाने से वह प्रसन्न होते हैं। इस वर्ष होलिका दहन 7 मार्च और होली 8 मार्च को खेली जाएगी। वहीं, वास्तु शास्त्र के अनुसार होली के दिन कुछ सरल उपायों से व्यक्ति साल भर प्रसन्न रह सकता है। कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जो घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को बढ़ाती है। होली आने से पहले घर से तुरंत हटा दें।

खराब इलेक्ट्रॉनिक्स

घर में क्षतिग्रस्त बिजली का सामान हो तो परिवार में हानि होती है। घर में नकारात्मक ऊर्जा का निर्माण होता है। इसलिए यदि आपके घर में कोई इलेक्ट्रॉनिक सामान है जो खराब हो गया है। उसे ठीक करवा लें या फेंक दें।

खंडित मूर्तियां या चित्र

भगवान की टूटी हुई मूर्ति या चित्र को घर में रखना अशुभ माना जाता है। यदि आपके घर में कोई खंडित मूर्ति है, तो उसे पानी में विसर्जित दें।

खराब घड़ी

अक्सर लोग खराब घड़ी को सुरक्षित रखते हैं। बंद या खराब घड़ी बुरा वक्त ला सकती है। अगर आपके घर में कोई घड़ी खराब है तो उसे तुरंत निकाल दें। बंद घड़ी नकारात्मक ऊर्जा पैदा करती है।

पुराने फटे जूते

होली से पहले घर की सफाई करते समय पुराने और फटे जूतों-चप्पल को फेंकना न भूलें। फटे पुराने जूते घर में नकारात्मकता और दुर्भाग्य लाते हैं।

टूटा दर्पण

घर में टूटा शीशा या कांच की वस्तु रखना अशुभ होता है। होली से पहले ऐसी कोई भी चीज घर से बाहर कर दें। टूटा दर्पण तनाव और परेशानी बढ़ाता है।

3 मार्च को आंवला एकादशी

इस दिन आंवले के पेड़ को पूजने से मिलता है त्रिदेवों की पूजा का फल, संवत्सर की आखिरी एकादशी है ये

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी 3 तारीख को है। इसे पुराणों में आमलकी एकादशी कहा गया है। कुछ वैष्णव तीर्थों पर इस दिन से ही 6 दिनों के होली उत्सव की शुरुआत होने से इसे रंगभरी एकादशी भी कहा जाता है। हर एकादशी की तरह इस दिन भी भगवान विष्णु की खास पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता है कि जो व्यक्ति आमलकी एकादशी का व्रत पूरे विधि-विधान के साथ रखता है, उसे भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही मोक्ष मिलता है।

हिंदू कैलेंडर की आखिरी एकादशी

हिंदू पंचांग के अनुसार हर पक्ष की 11वीं तिथि को एकादशी कहा जाता है। ये हर महीने में दो बार आती है। पूर्णिमा के बाद आने वाली एकादशी को कृष्ण पक्ष की एकादशी और अमावस्या के बाद आने वाली एकादशी को शुक्ल पक्ष की एकादशी कहा जाता है। अभी फाल्गुन चल रहा है। जो कि हिंदू कैलेंडर का आखिरी महीना है। इसलिए 3 मार्च को हिंदू पंचांग के साल की आखिरी एकादशी होगी।

पद्म पुराण में है जिक्र

आमलकी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। आमलकी का अर्थ आंवला होता है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने आंवले को आदि वृक्ष के रूप में प्रतिष्ठित किया था। मान्यता है कि आमलकी एकादशी के दिन आंवला और श्री हरि विष्णु की पूजा करने से मोक्ष मिलता है। आमलकी एकादशी का जिक्र पद्म पुराण में मिलता है। इस पूजा से परिवार में भी सुख और प्रेम का वातावरण बना रहता है।

गरुण पुराणः लक्ष्मीजी के आंसू से बना आंवले का पेड़

गरुण पुराण में लिखा है कि इस दिन भगवती और लक्ष्मीजी के आंसू से आंवले के पेड़ की उत्पत्ति हुई थी। आंवले के पेड़ में त्रिदेवों (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) का वास माना जाता है। ब्रह्माजी आंवले के पेड़ के ऊपरी हिस्से में, शिवजी बीच में और भगवान विष्णु आंवले के पेड़ की जड़ में रहते हैं। मान्यता है कि जो भक्त आमलकी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना और आंवले के पेड़ की पूजा करते हैं, उन्हें पुण्य फल मिलता है।

नया घर बनवाते या खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान, खूब मिलेगी तरक्की

वास्तु शास्त्र के अनुसार मानव जीवन से जुड़ी छोटी से छोटी चीज उसके लाइफस्टाइल को प्रभावित करती है। फिर चाहे वो आपका घर हो या घर में रखी कोई वस्तु, जी हां, वास्तु शास्त्र कहता है कि घर में रखी

चीजों का सही दिशा में होना जीतना जरुरी होता है उतना ही जरूरी होता है घर का सही दिशा व सुनियोजित योजना के अनुसार होना। दरअसल, कई बार हम बिना सोचे समझे सिर्फ मकान की लोकेशन और मॉडर्न डिजाइन को देखते हुए उसे खरीद लेते हैं या बनवा लेते हैं। जिसके परिणाम स्वरूप हमें वहां कई तरह की समस्याएं झेलनी पड़ती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, किसी भी भवन निर्माण से पहले या फिर खरीदने से पहले उसके लिए सुनियोजित योजना बनाएं, जिससे कि महत्वपूर्ण चीजों पर गौर किया जा सके और ऐसा भवन निर्माण हो जिससे कि हमें तरक्की मिले और हम उस घर में सुख-शांति महसूस करें। तो आइए जानते हैं जानते हैं भवन निर्माण से पहले किन बातों का रखना होगा ध्यान

■ वास्तुशास्त्र के अनुसार, मुख्य द्वार पर दहलीज का निर्माण अनिवार्य है, इसके साथ ही अगर मुख्य द्वार दो पल्लों का हो तो इस बहुत शुभ माना जाता है।

■भवन की पूर्व तथा उत्तर दिशा हमेशा निचाई की तरफ होनी चाहिए, इससे सुख व समृधि बढ़ती है और यह काफी मंगलकारक माना जाता है।

■ घर की पूर्व दिशा, उत्तर तथा उत्तर–दिशा में ढलान होना भी सकारात्मक ऊर्जा को उत्पन्न करने में मदद करता है।

■ वास्तु के अनुसार, घर की दक्षिण दिशा को हमेशा ऊंचा रखना चाहिए। इसको धनदायक व स्वास्थ्यप्रद बताया गया है।

■ घर का ब्रह्म स्थान यानी घर के ठीक बीच वाला भाग खुला होना चाहिए, उस पर किसी भी प्रकार का निर्माण जैसे दीवार, स्तम्भ, या फिर कोई भी बड़ा आकार नही होना चाहिए। क्योंकि यह स्थान अति शुभ ऊर्जा वाला स्थान माना जाता है और यह ऊंचा होगा तो ऐश्वर्य देने वाला होगा और साथ ही सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला होगा।

होलाष्टक में खरीदारी के मुहूर्त

ज्वेलरी, व्हीकल और हर तरह की खरीदी के लिए 7 दिन शुभ, रियल एस्टेट में निवेश भी कर सकते हैं

आचार्य संतोष भार्गव
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

होलाष्टक 27 फरवरी से शुरू हो गया है। जो कि 7 मार्च तक रहेगा। होली से पहले वाले इन दिनों में मांगलिक काम नहीं किए जाते हैं। लेकिन विद्वानों का कहना है कि इन दिनों में खरीदारी करने से कोई दोष नहीं लगता। ज्योतिष ग्रंथों के मुताबिक पूरे साल खरीदारी की जा सकती है। जिसके लिए कुछ तिथियां, वार, नक्षत्र और शुभ योग तय किए गए हैं। इन्हीं योगों के चलते इस बार होलाष्टक के दौरान हर तरह की खरीदारी के लिए सात दिन शुभ रहेंगे।

दो दिन पुष्य नक्षत्र का संयोग

इन दिनों में शुक्रवार और शनिवार को पुष्य नक्षत्र रहेगा। जिससे शुक्र और शनि पुष्य का संयोग बनेगा। ये शुभ नक्षत्र शुक्रवार को दोपहर तकरीबन साढ़े 3 बजे से शुरू होगा और अगले दिन शनिवार को शाम 7 बजे तक रहेगा। इस तरह पुष्य नक्षत्र में खरीदारी के लिए दो दिन शुभ रहेंगे। इस नक्षत्र में की गई खरीदारी लंबे समय तक फायदा देने वाली होती है। जिससे सुख और समृद्धि बढ़ती है।

5 और 9 मार्च के अलावा हर दिन शुभ मुहूर्त

आचार्य संतोष भार्गव बताते हैं कि इस बार तिथियों की घट-बढ़ की वजह से होलाष्टक 9 दिनों का रहेगा। जिसमें रविवार, 5 मार्च और 7 तारीख मंगलवार को शुभ मुहूर्त नहीं है।

इस सप्ताह तीन सर्वार्थसिद्धि और पांच रवियोग बनेंगे। साथ ही दो दिन पुष्य नक्षत्र का संयोग रहेगा। वहीं, इन दिनों में व्हीकल खरीदारी के 4 विशेष मुहूर्त और प्रॉपर्टी के लिए दो दिन शुभ रहेंगे। शुभ योगों में किए गए निवेश, लेन-देन और खरीदारी से लाभ मिलेगा।

अब शुल्क मुक्त नहीं होगा कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार ने अब tariff rate quota (TRQ) के तहत कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात बंद करने का निर्णय लिया है। जिससे अब कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात बिना आयात शुल्क के नहीं हो सकेगा। सरकार ने ऊँ को वापस ले लिया है और अब अगले महीने से कच्चे सूरजमुखी तेल के आयात पर आयात शुल्क लगेगा। हालांकि कारोबारियों के मुताबिक आयात शुल्क लागू होने से इसकी कीमतें बढ़ने की संभावना नहीं है। सरकार ने इससे पहले जनवरी महीने में कच्चे सोयाबीन तेल के आयात को TRQ के तहत बंद कर दिया था।

एक अप्रैल से TRQ के तहत कच्चे सूरजमुखी तेल का आवंटन नहीं होगा:- भारत सरकार के वाणिज्य विभाग ने आयात शुल्क मुक्त कच्चे सूरजमुखी तेल के आयात के कोटे को वापस लेने की अधिसूचना आज जारी कर दी है। जिसके मुताबिक वर्ष 2022-23 के दौरान जारी ऊँ की वैधता 31 मार्च 2023 तक रहेगी और अब वर्ष 2023-24 के लिए कच्चे सूरजमुखी तेल के आयात के लिए ऊँ का आवंटन नहीं किया जाएगा। एक अप्रैल से कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात करने पर आयात शुल्क देना होगा।

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष शंकर ठक्कर कहते हैं कि TRQ के तहत शुल्क मुक्त आयात बंद होने से अब सूरजमुखी तेल के आयात पर 5 फीसदी आयात शुल्क लगेगा। लेकिन इससे इस तेल के दाम बढ़ने की संभावना नहीं है। क्योंकि निर्यातक देशों के पास बड़ी मात्रा में यह तेल पड़ा है। आयात शुल्क लगने से जितने दाम बढ़ेंगे, उतना ये देश दाम घटा देंगे।

पिछले साल मई में मिली शुल्क मुक्त आयात की अनुमति :- केंद्र सरकार ने पिछले साल मई महीने में खाद्य तेलों की महंगाई को नियंत्रित करने के लिए कच्चे सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के आयात को शुल्क मुक्त करने का फैसला लिया था। सरकार ने मार्च 2024 तक ऊँ के तहत 20 लाख टन कच्चा सूरजमुखी तेल और 20 लाख टन ही कच्चा सोयाबीन तेल बिना शुल्क के आयात करने को अनुमति दी थी। इस साल जनवरी महीने में कच्चे सोयाबीन तेल का ऊँ के तहत आयात बंद कर दिया गया और अब 1 अप्रैल से कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात बंद किया जा रहा है।

भारतीय तकनीकी क्षेत्र 2022-23 में 8.4 प्रतिशत बढ़कर 245 अरब डॉलर का होगा: नैसकॉम

मुंबई। एजेंसी

भारतीय तकनीकी क्षेत्र वित्त वर्ष 2022-23 में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 245 अरब डॉलर का हो जाएगा। उद्योग निकाय ने अपनी रणनीतिक समीक्षा में कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में इस क्षेत्र की कुल आय 226 अरब अमेरिकी डॉलर थी। मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के कारण आय वृद्धि में दो प्रतिशत से अधिक का नुकसान हुआ। नैसकॉम के अध्यक्ष देवजानी घोष ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में आय वृद्धि को लेकर कोई भविष्यवाणी करना मुश्किल है। उन्होंने हालांकि मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के एक सर्वेक्षण की ओर इशारा किया, जिसमें कहा गया था कि वे नये वित्त वर्ष के बारे में 'सावधानीपूर्वक आशावादी' हैं। नैसकॉम ने कहा कि तकनीकी उद्योग ने 2022-23 में 2.90 लाख नयी नौकरियां जोड़ीं, जिसके साथ कुल कार्यबल बढ़कर 54 लाख हो गया है। घोष ने संवाददाताओं से कहा कि शीर्ष पांच कंपनियों के पास कुल 18 अरब डॉलर के मजबूत सौदे हैं और उद्योग का आकार 2030 तक 500 अरब डॉलर होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सामने कई तरह की बाधाएं हैं, जिनमें यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण भू-राजनीतिक चुनौतियां और रोजगार की कमी शामिल हैं।

1 मार्च से महंगा हुआ घरेलू गैस सिलेंडर

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकारी तेल कंपनियों ने 1 मार्च से घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोत्तरी की है। कमर्शियल गैस सिलेंडर 350 रुपये तो घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 50 रुपये की बढ़ोत्तरी हुई है। हालांकि यूपी में बुधवार को एलपीजी सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं दिखा है. जहां एक ओर दिल्ली में एलपीजी सिलेंडर के दाम अब 1103 रुपये हैं, वहीं लखनऊ में 1090.50 रुपये है। नोएडा में 14.2 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 1050.50 के पुराने रेट पर ही मिल रहा है। इसी तरह कानपुर में 1062 रुपये, वाराणसी में 1166.50 रुपये है. आगरा में 14.2 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 1065.50 हैं।

पेट्रोल और डीजल के दाम

लखनऊ में पेट्रोल-96.57 रुपये, डीजल-89.76 रुपये. वाराणसी में पेट्रोल -97.17 रुपये और डीजल-90.35 रुपये। गो?खपुर में पेट्रोल-96.76 रुपये और डीज़ल- 89.94 रुपये, प्रयागराज में पेट्रोल-97.17 रुपये और डीजल-90.36 रुपये, कानपुर में पेट्रोल-96.25 रुपये और डीजल-89.44 रुपये। आगरा में पेट्रोल-96.35 रुपये और डीजल-89.52 रुपये. नोएडा में पेट्रोल-96.77 रुपये और डीजल-89.94 रुपये. मेरठ में पेट्रोल-96.35 रुपये और डीजल-89.52 रुपये। अयोध्या में पेट्रोल 97.03 और डीजल-90.22. गाजियाबाद में पेट्रोल 96.50 और डीजल-89.68 रुपये है।

सैवलॉन स्वस्थ इंडिया ने तेंदुलकर को दुनिया का पहला हैंड एम्बैसेडर बनाया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सैवलॉन स्वस्थ इंडिया मिशन ने एक अनूठा कदम उठाते हुए दुनिया के महान क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक सचिन तेंदुलकर को विश्व का पहला हैंड एम्बैसेडर बनाने की घोषणा की है दुनियाभर में क्रिकेट विश्व में अपने योगदान के लिए मास्टर ब्लास्टर का नाम बहुत सम्मान के साथ लिया जाता है उन्होंने क्रिकेट इतिहास में कई कीर्तिमान स्थापित करते हुए पीढ़ियों को प्रेरित किया है अब एक विशेष सरोकार के लिए वह अपने अनमोल हाथों से एक और उपलब्धि हासिल करने जा रहे हैं सचिन एक हैंड एम्बैसेडर के तौर पर उचित तरीके से हाथ धोने के लिए करोडों लोगों को

प्रेरित करेंगे आईटीसी का सैवलॉन स्वस्थ इंडिया मिशन नए-नए अनुभवों और पहलों के माध्यम से हाथों की साफ-सफाई की दिशा में व्यवहार में बदलावलाने के मामले में सबसे आगे रहा है। रोके जा सकने योग्य संक्रमण हमारे देश पर बड़ा आर्थिक बोझ डालते हैं, लेकिन बीमारियों को फैलने से रोकने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है नियमित रूप से हाथ धोना। पहले हैंड एम्बैसेडर के तौर पर सचिन तेंदुलकर के साथ, सैवलॉन स्वस्थ इंडिया मिशन एक स्वस्थ राष्ट्र के लिए हाथों को साफ रखने की संस्कृति विकसित करने की अपनी यात्रा में और आगे बढ़ रहा है। समीर सत्पथी, डिविजनल चीफ एक्जीक्यूटिव, पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स बिजनेस, आईटीसी लिमिटेड ने कहा साबुन या हैंडवॉश से हाथ धोना दैनिक हाईजीन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो हमें संपूर्ण स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायता करता है। इसके लिए विशेष तौर पर बच्चों में और समाज में इस स्वस्थ आदत का निर्माण करने के लिए लगातार जोर दिए जाने और जुड़ाव बनाने की आवश्यकता है। हाथों की स्वच्छता के मामले में लोगों के व्यवहार में बदलाव लाने के लिए सैवलॉन स्वस्थ इंडिया मिशन सबसे आगे रहा है। सैवलॉन स्वस्थ इंडिया मिशन के लिए 'हैंड एम्बैसेडर' के रूप में सचिन के हमारे साथ जुड़ने से हमें बहुत खुशी हो रही है जो खुद भी इस आदत का मजबूती से समर्थन करते हैं।

साबूदाना तेज़ होने के पर्याप्त कारण हैं: श्री गोपाल साबु

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष में मिलेट्स का बाज़ार भी विस्तृत

इंदौर/ सेलम । आईपीटी नेटवर्क

पिछले तीन दिनों में साबूदाने के थोक दामों में जो चार-पांच सौ रुपए प्रति क्विंटल की तेजी आई है, वह अप्रत्याशित नहीं है। इसी प्रकार की या इससे मिलती जुलती तेज़ी आगे भी बनी रहने की संभावना है। ये कहना है साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड, सेलम के चेयरमेन श्री गोपाल साबु का, जो सच्चामोती, सच्चासाबु एगमार्क साबूदाने के उत्पादक और विषय विशेषज्ञ हैं।

श्री गोपाल साबु ने बताया कि महाशिवरात्रि में साबुदाने की अच्छी खपत हो जाने से स्टॉकिस्टस के पास स्टाक अपने न्यूनतम स्तर पर है वहीं दूसरी ओर उत्पादक केन्द्र सेलम में कंद की आवक कम हुई है, जिसके चलते साबुदाना उत्पादन कम हुआ है। आने वाले समय में होली, चैत्र नवरात्रि, सावन में एक महीना अधिक मास होने के कारण साबूदाना की अच्छी बिक्री की सम्भावना के चलते मांग में तेज़ी देखने को मिल रही है। एक गौर करने लायक बात यह भी है कि सेलम सागो सर्व सोसाइटी में भी तैयार स्टॉक गत वर्षों की तुलना में बहुत ही कम है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस वर्ष हिन्द महासागर में एल्विनो तूफ़ान की सम्भावना के कारण मानसून खराब हो सकता है, यदि ऐसा हुआ तो कसावा कंद जिससे साबूदाना तैयार किया जाता है, उसकी आगामी फसल को नुकसान पहुंचेगा। श्री साबु का कहना है कि इस संभावना के चलते भी कंद के भावों में बढौतरी होने के मौके बनेंगे।

श्री साबु ने कुकरीजॉकी मिलेट्स के बारे में बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष में फैली जागरूकता से मिलेट्स का बाज़ार काफी बढ़ा है और आगे भी बड़ी संभावनाएं हैं। साबु के 'कुकरीजॉकी'रु ब्रांड में पाँच वैरायटी के विशेष गुणकारी पोषक मिलेट (भगर, कोदरा, झंगोरा, कंगनी और रागी) को लोगों ने दो दो दिन के अंतराल से बदल - बदल कर लगातार उपयोग करने पर सिर्फ पंद्रह दिन में ही अपने स्वास्थ्य में आश्चर्यजनक सुधार पाया। लोगों से साबु के इन गुणकारी मिलेट उत्पादों को बहुत ही अच्छा प्रतिसाद मिला है। उपभोक्ताओं को मिलेट सम्बंधित जानकारी देने के लिए, साबु ट्रेड ने गत नवरात्रि में हिन्दी में एक लघु पुस्तिका प्रकाशित कर विभिन्न जगहों पर स्वादिष्ट फरियाली खिचडी के साथ निःशुल्क वितरित की थी। विश्व में भारत मिलेट का मुख्य उत्पादक देश होने के कारण भारत से सभी प्रकार के मिलेट का निर्यात भी इस वर्ष तेजी से बढ़ने की संभावना है।

सिस्टैंगो टेक्नोलॉजीज एसएमई आईपीओ 2 मार्च को खुलेगा, 85-90 रुपये प्रति शेयर होगी प्राइस बैंड

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इंदौर स्थित आईटी कंपनी, सिस्टैंगो टेक्नोलॉजीज लिमिटेड 32.88-34.82 करोड़ रुपये के इश्यू साइज के साथ अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लॉन्च करने के लिए तैयार है। कंपनी सॉफ्टवेयर सोलूशन्स प्रदान करती है जो उनके ग्राहकों को वेब2, वेब3 और मोबाइल एप्लिकेशन सहित खुद के कस्टमाइज्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म को डिजाइन, इम्प्लीमेंट और मैनेज करने में सहायता करती है। कंपनी ने फिनटेक, फैंटेसी स्पोर्ट्स, हॉस्पिटैलिटी आदि जैसे क्षेत्रों में ग्राहकों को सर्विसेज प्रदान की है।

सिस्टेंगो टेक्नोलॉजीज आईपीओ के लीड मैनेजर हेम सिक्योरिटीज है और बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इस इशू के रजिस्ट्रार होंगे। इस इश्यू में कंपनी के 38,68,800 इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू लेकर आ रही है, जिसमें 1,96,800 इक्विटी शेयर मार्किट मेकर्स के लिए आरक्षित हैं और 36,72,000 इक्विटी शेयर पब्लिक के लिए नेट इश्यू के लिए आरक्षित हैं। सिस्टैंगो टेक्नोलॉजीज आईपीओ 10 रुपये प्रति शेयर की फेस वैल्यू पर 85-90 रुपये प्रति शेयर की प्राइस बैंड पर आएगा, और यह इशू 02 मार्च 2023 को खुलेगा और 06 मार्च 2023 को बंद होगा। सिस्टैंगो टेक्नोलॉजीज आईपीओ के आवंटन की जानकारी 10 मार्च, 2023 को सार्वजनिक की जाएगी और कंपनी के 15 मार्च, 2023 को एनएसई में लिस्ट होने की उम्मीद है। सिस्टेंगो टेक्नोलॉजीज स्ट्रेटेजिक इंवेटस्मेन्ट और एक्वीजीशन, सब्सडरी कंपनियों में इन्वेस्टमेंट और वर्किंग कैपिटल की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से अपना आईपीओ लॉन्च कर रही है और आईपीओ 1600 की बिड के साथ आएगा। ऑफर्स के टर्म्स के अनुसार, क्वालिफाइड इंस्टीटूशनल बायर्स (क्यूआईबी) नेट ऑफर के 50इ, एचएनआई और एनआईआई के लिए 15इ और रिटेल इन्वेस्टर्स 35इ के हकदार हैं।

ओरिएंट इलेक्ट्रिक ने भारत का पहला क्लाउड कूलिंग वाला पंखा लॉन्च किया

हवा के तापमान को 12 डिग्री सेल्सियस तक कम करें

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ओरिएंट इलेक्ट्रिक लिमिटेड, जो कि 2.4 बिलियन डॉलर के विविधीकृत सीके बिरला ग्रुप का अंग है, ने क्लाउडचिल टेक्नॉलॉजी द्वारा संचालित अपनी तरह के पहले कूलिंग पंखे, क्लाउड 3 को लॉन्च किया है। ओरिएंट क्लाउड 3 न केवल ठंडी हवा प्रदान करता है बल्कि आपके कमरे को भी ठंडा करने में सक्षम है। लगभग पूरे साल गर्म तापमान का रहना क्लाउड 3 पंखे को भारतीय परिवारों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है। बेहतरीन डिज़ाइन के साथ ओरिएंट क्लाउड 3 कूलिंग पंखे में 4.5 लीटर का वाटर टैंक है, जिससे बिना रुके 8 घंटे तक ठंडी हवा मिलती है। यह पंखा हवा के तापमान में 12 डिग्री सेल्सियस तक की कमी

ला सकता है। इस लाइफस्टाइल कूलिंग सॉल्यूशन के लॉन्च के साथ ओरिएंट इलेक्ट्रिक का लक्ष्य उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करते हुए पंखो की श्रेणी में अपने नेतृत्व को सुदृढ़ करना है।

क्लाउड 3 पंखे के लॉन्च के बारे में राकेश खन्ना, एमडी एवं सीईओ, ओरिएंट इलेक्ट्रिक ने कहा, ''हम उपभोक्ता केंद्रित इनोवेशन के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसकी वजह से हम लगातार बाजार में आविष्कारशील और खास गुणवत्ता वाले उत्पाद पेश करते हैं। अद्वितीय क्लाउडचिल टेक्नॉलॉजी के साथ क्लाउड 3 पंखा लॉन्च करके हमने एक बिलकुल नयी केटेगरी को पेश किया है। 34 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गर्मी हो जाने पर पंखे कम प्रभावी हो जाते है, इसी सोच के साथ हमने इस इनोवेटिव पंखे को विकसित किया है। क्लाउड 3 पंखा हवा के तापमान को 12 डिग्री सेल्सियस तक कम करता है। इसमें एक इन-बिल्ट क्लाउड चैंबर है, जो पानी को बादलों जैसे नैनोपार्टिकल्स में बदलता है, जिससे हवा में फौरन ठंडक आ जाती है, तथा एयरोडाईनैमिक डिज़ाईन के फैन ब्लेड ठंडी हवा को पूरे कमरे में फैला देते हैं। हम प्रीमियम फैन सेगमेंट में अग्रणी कंपनियों में से एक हैं, और हमें आशा है के क्लाउड 3 पंखे के साथ इस सेगमेंट में हमारी पोजिशनिंग और ज्यादा मजबूत होगी। हम क्लाउड 3 को चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध करा रहे हैं।''

निवा बूपा द्वारा क्रांतिकारी स्वास्थ्य बीमा उत्पाद, रीएश्योर 2.0 लॉन्च

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत की प्रमुख स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनियों में से एक, निवा बुपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (जिसे पहले मैक्स बुपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) ने, कई उद्योग - प्रथम विशेषताओं के साथ, 'रीएश्योर 2.0' ('ReAssure 2.0') लॉन्च करने की घोषणा की। यह योजना, देश में स्वास्थ्य बीमा उद्योग को फिर से परिभाषित करने का वादा करती है और वर्तमान में स्वास्थ्य बीमा खरीदने और उपभोग करने के तरीके को फिर से परिभाषित करने की क्षमता रखती है। रीएश्योर 2.0 (ReAssure 2.0) एक पहली तरह की क्षतिपूर्ति योजना है, जो शायद असंभव और अनसुने उत्पाद प्रस्तावों को, अब संभव बनाती है। यह, वर्तमान रीएश्योर प्लान के तहत पेश किए गए अपने 3 शक्तिशाली लाभों - रीएश्योर (ReAssure), बूस्टर (Booster) और सेफगार्ड (Safeguard) को बेहतर बनाते हुए, बेजोड़ लाभ प्रदान करने के लिए इन लाभों का '+' संस्करण प्रदान करती है। यह व्यापक योजना, ग्राहकों को बिना किसी वित्तीय बाधाओं के तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए मन की पूर्ण शांति प्रदान करती है। यह तब तक प्रवेश की आयु का लॉक - इन प्रदान करता है जब तक कि आप अपना पहला दावा नहीं करते हैं, जिससे ग्राहकों को प्रीमियम बचाने में मदद मिलती है। यह रीएश्योर 'फॉरेवर' (ReAssure 'Forever') प्रदान करता है, जहां पॉलिसी में पहला दावा, हमेशा के लिए रीएश्योर को सक्रीय करता है, यह असीमित और बेस बीमित राशि तक है। बूस्टर+ (Booster+) जो अप्रयुक्त आधार राशि को अगले पॉलिसी वर्ष में 10 गुना तक ले जाने में मदद करता है।

अंतर्राष्ट्रीय मार्केटप्लेस जूम ने भारत में प्रवेश किया

एसएमई और निर्यातकों के लिए प्लेटफॉर्म संचालन शुरू किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

जूम, एक प्रमुख यूरोपीय मार्केटप्लेस, ने भारत में अपना परिचालन शुरू कर दिया है। हाल ही में, कंपनी की एक टीम ने आठ भारतीय शहरों का दौरा किया- जिनमें नई दिल्ली, इंदौर, रुड़की, लुधियाना, जयपुर, मुंबई और सूरत शामिल हैं- स्थानीय व्यवसायों के लिए सीमा पार व्यापार के अवसर पेश करने के लिए। बैठकों के बाद, 350 से अधिक व्यापारी मंच से जुड़ गए, जो सबसे लोकप्रिय श्रेणियों- फैशन, आभूषण, क्रिस्टल हीलिंग, स्वास्थ्य और सौंदर्य, स्वास्थ्य पूरक, त्वचा देखभाल, बालों की देखभाल और महिलाओं के फैशन और सहायक उपकरण के लिए स्थान प्रदान करता है। 2022 की शुरुआत में जूम से जुड़े भारतीय व्यवसाय पहले से ही जूम प्लेटफॉर्म से अच्छी तरह वाकिफ हैं और ऑरिजिंस के बीच टॉप-5 में शामिल हो गए हैं। यह प्लेटफॉर्म हाल ही में यूरोपियन और सीआईएस बाजारों में प्रवेश पाने के लिए भारतीय निर्यातकों, छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए वन-स्टॉप बन गया है। इन एसएमई, निर्यातकों और डी2सी व्यवसायों में से लगभग 50% ने पहले कभी

भी अपने उत्पादों को वैश्विक बाजार में नहीं बेचा और जूम के साथ पहली बार अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने में सक्षम थे। 2023 से जूम का हेडक्वार्टर लिस्बन, पोर्टुगल में स्थित है। जूम की स्थापना 2016 में रीगा, लातविया में हुई थी। कंपनी प्रमुख एशियाई और यूरोपीय संघ के व्यापारियों के साथ साझेदारी करती है और अपने उत्पादों को दुनिया भर के ग्राहकों तक ले जाती है। मैक्सिम बेलोव, एशिया-प्रशांत व्यापार विकास के प्रमुख ने इस घटना पर टिप्पणी की: '2022 की शुरुआत में जो मर्चेंट्स जूम पर कम करने लगे उन्होंने ना केवल बहुत अच्छा स्टार्ट किया, उन्होंने भारत को टोप-5 ओरिजिन भी बनाया। उनके स्टार्ट से भारतीय मर्चेंट्स की कमाई हर महीने 50% की वृद्धि दिखा रहे हैं। हम इन व्यापारियों के उत्साह और सक्रिय स्थिति को देखकर वास्तव में उत्साहित हैं। यह आश्चर्यजनक है कि इस क्षेत्र के पहले प्रचार ने मूल की 6 गुना वृद्धि दिखाई, कुछ मर्चेंट्स की वृद्धि 10 गुना तक बढ़ गई! जूम पर हमारे द्वारा लॉन्च किए गए सभी देशों में यह सबसे प्रभावशाली परिणाम है। जूम ने फैशन और स्वास्थ्य और सौंदर्य में अच्छी तरह से स्थापित क्लासिक ब्रांडों को शामिल किया है। फिर भी, प्लेटफॉर्म पर भारतीय मर्चेंट्स की सफलता इस तथ्य के कारण भी है कि उन्होंने नई श्रेणियां और नए सामान पेश किए जो पहले जूम पर उपलब्ध नहीं थे। उदाहरण के लिए, कॉस्प्ले आइटम, जैसे हेलमेट, कवच और ढाल; मधुमक्खी पालकों के लिए उत्पाद; घोड़ों के लिए काठी; और अटकल के लिए विभिन्न प्रकार के रत्न, कालीन और पारंपरिक कपड़े, अन्य वस्तुओं के साथ। इन सभी उत्पादों को जूम के ग्राहकों से विशेष पहचान मिली जिनका कई मार्केटप्लेस में अक्सर कम प्रतिनिधित्व होता है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।